Development of Sulphur Hot Water, Spring in India

*334 SHRI DURGA CHAND : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether the Prime Minister visiting Sanatoria in Suchi in Soviet Union had appreciated the Sulphur Hot Water Springs in that area which are beneficial for health;

(b) whether Prime Minister had expressed his concern that sulphur hot water springs in India particularly at Manikarn near Kulu in Himachal Pradesh and Badrinath in U.P. have not been developed for health purposes ;

(c) whether Government have undertaken or propose to undertake survey to find out the efficacy of sulphur springs in the country for health purposes : and

(d) if so, the details thereof and the steps being taken to develop such springs in the country?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : (क) जी हां ।

(ख) प्रधान मंत्री जी ने भारत में गन्धक के पानी के स्नानगारों के विकास की सम्भावना के बारे में आशा प्रकट की है ।

(ग) और (घ). जी नहीं, किन्तु सरकार भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् के माध्यम से इन चश्मों की गुणकारिता का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण करने की योजना बना रही है ।

श्री दुर्गा चन्द : जब हमारे प्रधान मंत्री जी और विदेश मंत्री जी ने सोवियत यूनियन का दौरा किया, तब उन्होंने "सोची" में गन्धक के पानी के चश्मे देखे थे, जो नैचुरल-क्योर के लिए प्राकृतिक चिकित्सा के लिए बहुत अच्छे साबित होते हैं । उन्होंने यह भी कहा था कि हमारे यहां मणिकरण, वशिष्ठ और गढ़वाल में बद्रीनाथ के नजदीक गन्धक के पानी के चश्मे हैं, लेकिन हम उन का विकास नहीं कर सके हैं, जिस से कि उनके द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा दी जा सके या उनको उपयोग में लाया जा सके । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं—क्या हमारा स्वास्थ्य विभाग उनके विकास के लिए कुछ करेगा, सांयसदानों की कोई टीम वहां भेजेगा, जिस से उनका विकास किया जा सके और प्राकृतिक चिकित्सा के लिए उनका उपयोग किया जा सके, जैसा कि सोवियत यूनियन में किया जाता है ?

श्री राज नारायण : श्रीमन् प्रश्न जो माननीय सदस्य ने पूछा है, बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न है और वास्तव में अगर उस के उत्तर को हृदयंगम किया जाए तो मनुष्य का शरीर निरोग हो जाए, रोग रहित हो जाए । यह सही है कि भारत के वर्तमान प्रधान मंत्री भारत की स्थिति से पूर्णरूपेण जागरूक हैं । उन्होंने इस बात की चिन्ता अवश्य, अवश्य, अवश्य व्यक्त की है कि जो गरम पानी के झरने हैं, उन के विकास के लिए अभी तक कोई काम नहीं किया गया है । यह बिल्कुल सही है यानी 30 साल तक जो कांग्रेस की सरकार रही, वह बिल्कुल सोती रही । अब जनता पार्टी की सरकार आई है और आप यह देखिए कि केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण सरकार और भारत के प्रधान मंत्री इस के बारे में कितने चिन्तित हैं ।

माननीय सदस्य की जानकारी के लिए मैं यह बता दूं कि 29 नवम्बर को एक विशेषज्ञ भेजे गये हैं और वे इस क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं । दौरा कर के वे अपनी रिपोर्ट देंगे । संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम से भी सम्पर्क किया गया है ताकि गरम पानी के चश्मे के विकास कार्य में इस विभाग को उचित सलाह मिल सके । यह भी हम ने कर दिया हैं । इस के अलावा यह भी देखिए कि वशिष्ठ, कलथ,

कसोल और मनीकरन के पानी का विश्लेषण भी कराने की बात है यह देखने के लिए कि क्या यहां पर सचमुच में गंधक का पानी मिल सकता है और गंधक के पानी मिलने पर उस में लोगों के स्नान करने से किन किन रोगों का निराकरण हो सकता है।

इतनी ही नहीं, वह सरकार और भी ज्यादा चिन्तित है और हम केवल हिमालय की ओर ही नहीं देख रहे हैं बल्कि हम समुद्री तट और मध्य तटीय क्षेत्र में भी जा रहे हैं। राजगीर को आप देखिए, वह एक अन्तर्राष्ट्रीय नगर है, जहां पर बुद्ध धर्म का विकसित स्वरूप अब देखने को मिल जाता है। हमारे सम्मानित सदस्यों को अगर कुछ भारत के—प्राचीन इतिहास का ज्ञान है, तो उन्होंने जरासंध का नाम सुना होगा। वह कैसे पैदा हुआ, फिर वह टूटा, कैसे उस को चीरा गया, वह एक विस्तृत कहानी है। आप समझ लें कि राजगीर वह जगह है जहां शरीर के दो विभिन्न अंगों को जोड़ कर एक कर दिया गया था। ...(**व्यवधान**)... पहले प्राचीन इतिहास का ज्ञान करो।

इस के अलावा सीताकुण्ड, ऋषिकुण्ड ये सब मुंगेर जिले में हैं, और ये गरम पानी के स्रोत हैं। यहां पर भी हम खोज कराने की व्यवस्था कर रहे हैं और हमारी मंत्रि-परिषद् के एक सम्मानित वरिष्ठ सदस्य पटनायक जी कह रहे हैं कि उड़ीसा में भी गरम पानी के चश्मे हैं। उड़ीसा में भी जो हमारे विशेषज्ञ हैं, उन को भेज देंगे और मैं तो सभी सदस्यों से चाहे वे सरकारी पक्ष के हों या विरोधी पक्ष के हों, विन्न निवेदन करता हूं कि जहां कहीं भी गरम पानी का स्रोत मिले, वे हमारे मंत्रालय को खबर करें और हम वहां विशेषज्ञ को भेज कर उस को विकसित करने की पूरी पूरी व्यवस्था करेंगे।

श्री दुर्गा चन्द : मैं यह जानना चाहूंगा कि कुल्लु और मनाली के दरमियान कलात में मिनरल पानी का चश्मा निकला है, क्या स्वास्थ्य मंत्री जी इसके विकास की तरफ़ भी ध्यान देंगे जिस तरह से वे सोलन में 11 तारीख को चश्मे को देखने और उसका उद्घाटन करने जा रहे हैं? अभी उन्होंने यह बतलाया है कि जहां भी गन्धक के, गर्म पानी के चश्मे हैं, उनका विकास करने का वे प्रबन्ध कर रहे हैं। क्या हिमाचल प्रदेश के इन मिनरल पानी के चश्मों का विकास करने की तरफ भी वे ध्यान देंगे जिससे कि देश और विदेश के लोगों को इनसे लाभ हो सके और विदेशी मुद्रा भी कमाई जा सके?

श्री राज नारायण : अभी हमारे सम्मानित सदस्य ने जो परोपकारी, हित-कारी और गुणकारी प्रश्न के द्वारा हमारा ध्यान खींचा है उस के सम्बन्ध में हमारा कहना यह है कि मिनरल पानी के चश्मे हमारे देश में कई भागों में प्राप्त हो रहे हैं, जैसा कि उन्होंने बताया, मैं 11 तारीख को सोलन में मिनरल वाटर के चश्मे का उद्घाटन करने जा रहा हूं—जहां कहीं भी हमें इस प्रकार के मिनरल वाटर के चश्मे की जानकारी मिलेगी, उसका विकास किया जाएगा। देश में इस प्रकार के जितने भी स्रोत हैं उन सब का विकास किया जाएगा। श्रीमन् हिमाचल प्रदेश ही नहीं जहां कहीं भी इस प्रकार के चश्मे हैं उनका उपयोग करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक योजना बनाई है। इस योजना को भारत सरकार अधिक से अधिक सहायता प्रदान कर रही है। ऐसी योजना के प्रति भारत सरकार के सभी विभाग सजग हैं कि जहां कहीं से भी हमें इस प्रकार के स्रोतों की जानकारी मिलेगी, वहां के स्रोतों की जो भी समस्याएं होंगी, उनको हल किया जाएगा।

SHRI G. S. REDDI : What are the places in the country where this sulphur water is available?

श्री राज नारायण : श्रीमन्, मैंने अपने पहले ही उत्तर में बता दिया था कि कसोर, मनिखण, सोलन में अन्वेषण कराया जा रहा है । इसी प्रकार से बिहार में सीताकुण्ड, और राजगृह के गर्म पानी के स्रोतों का भी विकास किया जा रहा है जहां कि हमारे भारतीय गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति पूज्य राजेन्द्र बाबू ने स्नान किया था । इसी तरह से बद्रीनाथ में भी गर्म पानी का कुण्ड है और जो लोग बद्रीनाथ जाते हैं वे उसमें स्नान करते हैं और सब पापों को धो कर के वहां से आते हैं । आप कृपा करके हमें जानकारी कराइये कि हिन्दुस्तान में जहां जहां भी, जिस जिस जिले में, किस किस इलाके में, किस किस थाने में ये कुण्ड हैं, हमारा मंत्रालय उनका अन्वेषण कर विकास करेगा ।

SHRI VAYALAR RAVI : Varkala in Kerala.

श्री विजय सिंह नाहर : क्या माननीय मंत्री महोदय बतायेंगे कि रांची के पास राजगृह में और पश्चिम-बंगाल में शांतिनिकेतन के पास बकरेश्वर में जो गर्म पानी के स्रोत हैं, उनका भी विकास करने का प्रबन्ध किया जाएगा ?

श्री राज नारायण : मैं माननीय सदस्य का अनुगृहीत हूं कि उन्होंने बंगाल में कबरेश्वर का प्रश्न उठाया है । उसका भी निरीक्षण करा लिया जाएगा और उसके विकास के लिए जो कुछ भी करना है सरकार करेगी । मैं चाहता हूं कि माननीय सदस्य वह सब लिख कर भेजें दें और बंगाल सरकार से भी लिखवा करके भिजवा दें ।

Incidence of Malaria in the Country

†

*335. SHRI BALDEV SINGH JASROTIA :

SHRI B. RACHAIAH :

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to lay a statement showing :

(a) the number of Malaria cases reported during the last one year in the country, State-wise ; and

(b) the amount spent State-wise for the anti-Malaria campaign?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राजनारायण) : (क) और (ख). दो विवरण सभा पटल पर रखे हैं ग्रन्थालय में रखे गए । देखिए संख्या एल-टी 1297/77] पहले में राज्यवार 1976 और 1977 के दौरान अब तक के मलेरिया के पोजिटिव रोगियों की संख्या है और दूसरे में 1976–77 के दौरान मलेरिया विरोधी अभियान पर हुआ व्यय तथा 1977–78 के लिए आबंटित धन राशि का राज्यवार ब्यौरा दिया गया है ।

श्री बलदेव सिंह जसरोतिया : मैं जानना चाहता हूं कि पिछले सालों के मुकाबले में अब मलेरिया बढ़ रहा है या कम हो रहा हैं ? सरकार इसकी रोकथाम करने के क्या उपाय करने जा रही है ?

श्री राज नारायण : यह सही है कि 1965 में भारतवर्ष में मलेरिया का उन्मूलन हो गया था और एक भी मृत्यु नहीं हुई थी । लेकिन 1966 से मलेरिया की वृद्धि शुरू हो गई । आप जानते ही हैं कि 1966 के साल में ही श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री पद पर आई थीं । साल-ब-साल रोगियों की तथा मृतकों की संख्या बढ़ती गई । इसका सब से बड़ा कारण यह रहा कि इंदिरा